

प्रेषक,

एम0एम0 सेमवाल,
अनु सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उरेडा,
देहरादून।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक: २२, अप्रैल, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-2007 में उत्तरांचल अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को आयोजनेत्तर पक्ष में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या 661/XXVII(1)/2006, दिनांक 31.03.2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-2007 में लेखानुदान के माध्यम से आयोजनेत्तर पक्ष में उत्तरांचल अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) के वचनबद्ध व्ययों को वहन करने हेतु रु० 1000 हजार (रु० दस लाख मात्र) की धनराशि को निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- स्वीकृत धनराशि की फांट निदेशक, उरेडा, देहरादून द्वारा मुख्यालय एवं जिला स्तरीय कार्यालयों के लिये करने के उपरान्त शासन को अवगत कराया जायेगा और धनराशि का आहरण आवश्यकता अनुसार ही केवल वेतन के भुगतान हेतु ही किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि के बिल उत्तरांचल अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) के जिला स्तरीय अधिकारी द्वारा तैयार/हस्ताक्षरित किये जायेंगे तथा सम्बन्धित जिलाधिकारी से प्रतिहस्ताक्षर कराकर कोषागार से धनराशि का आहरण किया जायेगा। उरेडा मुख्यालय से सम्बन्धित धनराशि का आहरण वित्त एवं लेखा अधिकारी द्वारा तैयार बिल पर जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर उपरान्त किया जायेगा।
- 3- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्चेज रूल्स, डी0जी0एम0 एण्ड डी0 अथवा टैण्डर/कुटेशन विषयक नियम एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- 5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रतिमाह व्यय की सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध कराया जायेगा।
- 6- अगली किश्त तभी स्वीकृत की जायेगी, जब उरेडा द्वारा विगत वर्ष राज्य सरकार व अन्य साधनों से प्राप्त धनराशि के वास्तविक व्यय का विवरण, पूर्व स्वीकृत एवं अब स्वीकृत की जा रही धनराशि का मदवार व्यय विवरण एवं उसकी उपयोग की स्थिति उपलब्ध करा दी जायेगी।

- 7- स्वीकृत की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा।
- 8- यात्रा व्यय तथा पीओएल एवं वाहन अनुरक्षण पर गितव्यता के आधार पर व्यय किया जायेगा।
- 9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्ययक के अनुदान सं०-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-60-ऊर्जा के अन्य स्रोत-आयोजनेत्तर-800-अन्य-03-प्रशासनिक व्यय-01-उरेडा के लिये अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

2- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 06/XXVII(2)/2006, दिनांक: 20 अप्रैल, 2006 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम०एम० सेमवाल)
अनु सचिव

संख्या ⁵⁹³ /1/2006-03(1)/ 11 /06, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 3- समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 4- समस्त परियोजनाधिकारी, उरेडा।
- 5- वित्त अनुभाग-2
- ✓ 6- प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ड फाईल हेतु।


(एम०एम० सेमवाल)
अनु सचिव